

“हीरक जयंती वार्षिकोत्सव में पदक वितरण एवं सम्मान समारोह”

सम्मान समारोह के स्वागत उद्बोधन में अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया ने कहा कि विगत 60 वर्षों ने इसने अपने प्रगति के कई सोपान तय किये हैं। आज इस चिकित्सा महाविद्यालय से सम्बद्ध 1240 बिस्तरों का अपना अस्पताल है जहाँ पर बहु विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम है जो मरीजों के उपचार में निरंतर संलग्न है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आयुष विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. अशोक चन्द्राकर ने सभी पदक विजेता मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का संचालन पैथालॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द नेरल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस.बी.एस. नेताम ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के भूतपूर्व सीनियरमोस्ट टीचर 95 वर्षीय डॉ. जे.सी. गुप्ता, डॉ. श्रीमती के. पंधेर, डॉ. पी.के. मुखर्जी, डॉ. के. सुदर्शन, डॉ. जी.बी. गुप्ता, डॉ. डी.एस. तिवारी, डॉ. अनिल वर्मा, डॉ. सुबीर मुखर्जी, डॉ. एस.एल. आदिले और डॉ. पी.एल. यदु को माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में शेष सेवानिवृत्त चिकित्सा शिक्षक एवं 1963 एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को माननीय कुलपति डॉ. अशोक चन्द्राकर द्वारा शॉल-श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वास्थ्य सेवा का कार्य सर्वश्रेष्ठ कार्य है। जीवन के लिए संघर्ष करने वाले मरीजों के लिए डॉक्टर भगवान होते हैं। कोविड-19 के दौरान जब पूरी दुनिया भयभीत थी, तब डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, फ्रंट लाइन वारियर्स बन कर राष्ट्र व जनता की रक्षा के लिए आगे रहते थे।

यह कॉलेज राज्य का सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान

राज्यपाल ने कहा कि इस महाविद्यालय के शिक्षक प्रत्येक छात्र को एक अच्छा डॉक्टर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उनकी मेहनत से यहां के छात्रों की सफलता दिखाई देती है। शिक्षकों के समर्पण से विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रभाव पड़ता है। अच्छे डॉक्टर बनने और दूसरों की सेवा करने के लिए उनकी कड़ी मेहनत गर्व करने लायक है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि एक छोटा सा संस्थान जहां 60 विद्यार्थी ही प्रवेश ले पाते थे, वहां 230 विद्यार्थी एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष प्रवेश ले रहे हैं। यह राज्य का सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान बन गया है।

पूर्व डीन, प्रोफेसरों के ज्ञान और आशीर्वाद, भविष्य के लिए बनेंगे प्रेरणा स्रोत

राज्यपाल ने कहा कि यह संस्थान उन वरिष्ठ शिक्षकों को याद कर रहा है जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा शिक्षा क्षेत्र में समर्पित किया है। एक शिक्षक के रूप में उनकी सेवाओं को वर्षों तक याद रखा जाएगा। पूर्व-कुलपतियों, पूर्व-डीन, प्रोफेसरों और शिक्षकों का अभिनंदन अपने आप में एक सम्मान है। उनके अनुभव, ज्ञान और आशीर्वाद वर्तमान और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे।

कार्यक्रम प्रभारी वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षक डॉ. अरविन्द नेरल ने जानकारी दी कि चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के 60 वर्षीय इतिहास में पहली बार किसी वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल महोदय की गरिमामय उपस्थिति रही है। 35 वरिष्ठ सेवा-निवृत्त चिकित्सा शिक्षकों का एक साथ सम्मान किया जाना इस कार्यक्रम की उपलब्धि रही है और ऐसा पहली बार हुआ है। 95 वर्षीय पिता डॉ. जे.सी. गुप्ता और उनके सुपुत्र सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. शशांक गुप्ता का एक ही मंच पर राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मान किया जाना बहुत सुखद और अभूतपूर्व रहा है। विभिन्न विषयों के

तीन-तीन पीढ़ियों के शिक्षकों का समागम बहुत भावनात्मक, सुखद और यादगार रहा।

सम्मानित शिक्षक जिन्हें सम्मानित किया गया है

डॉ. जे.सी. गुप्ता, डॉ. श्रीमती के. पंधेर, डॉ. के. सुदर्शन, डॉ. पी.के. मुखर्जी, डॉ. एस.एन. मिश्रा, डॉ. डी.एस.तिवारी, डॉ. जी.बी. गुप्ता, डॉ. अनिल वर्मा, डॉ. एस.एल. आदिले, डॉ. सुबीर मुखर्जी, डॉ. पी.एल. यदु, डॉ. श्रीमती वी. सुदर्शन, डॉ. श्रीमती एन.के. गांधी, डॉ. सी.के. शुक्ल, डॉ. श्रीमती एस. शास्त्री, डॉ. आभा सिंह, डॉ. पी.के. निगम, डॉ. छाया बनर्जी, डॉ. सूरज अग्रवाल, डॉ. श्रीमती सुषमा वर्मा, डॉ. मीना गोयल, डॉ. एन.एन. ठक्कर, डॉ. आर.सी. राम, डॉ. एन.एल. फुलझेले, डॉ.अनूप वर्मा, डॉ. शशांक गुप्ता, डॉ. सपन दास, डॉ. माणिक चटर्जी, डॉ. राजेश हिशीकर, डॉ. जी.पी. सोनी, डॉ. देवेशी सरकार, डॉ. अजीत डहरवाल







